



राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

f /Pratahkirana

t /Pratahkirana

📧 /Pratahkirana



10 जियो फाइनैशियल का हो रहा डीमर्जर, ईशा अंबानी और राजीव महर्षि को ...

भारत-वेस्टइंडीज-रिंकू-रुतुराज को टी20 टीम में जगह नामिलने पर ... 11

वर्ष : 11 | अंक : 60 | पटना, सोमवार, 10 जुलाई, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkirana.com

मौसम अधिकतम तापमान 37°C न्यूनतम तापमान 29.0°C

हा 30% नहीं 50% कहर नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 59,340

चांदी 55,350

संसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

संक्षिप्त खबरें

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में बाढ़ में बहे दो सैनिकों के शव बरामद

जम्मू। भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ में बहे दो सैनिकों के शव जम्मू-कश्मीर के पुंछ में बरामद हुए। अधिकारियों ने रिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेना के दोनों जवान सूरनकोट इलाके में डोगरा नाले को पार कर रहे थे और इस दौरान वे तेज बहाव में बह गए। अधिकारियों के मुताबिक, न्याय सूबेदार कुलदीप सिंह का शव शनिवार रात को डोगरा नाले से निकाल लिया गया, जबकि दूसरे सैनिक का शव रविवार को बरामद हुआ। अधिकारियों ने कहा कि एक जवान के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

चंद्रयान-3 से चांद पर उतरने वाला चौथा देश बन जाएगा भारत : जितेंद्र

नई दिल्ली। वैज्ञानिक एव प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री जितेंद्र प्रभार। डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा है कि इस सप्ताह इसरो द्वारा लांच होने वाले चंद्रयान-3 मिशन से भारत चांद की सतह पर यान उतारने वाला चौथा देश बना जाएगा। डॉ. सिंह ने एक बयान में कहा कि प्रोबलमसॉल्विंग नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अंतरिक्ष क्षमता में एक साथ बड़ी वृद्धि हुई है। अब भारत चांद तक पहुंचने में पीछे नहीं रहेगा। चंद्रयान-3 चंद्रयान 2 का अगला मिशन है जिसका लक्ष्य चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग करना और वहां की जमीन पर चलना है। उन्होंने बताया कि चंद्रयान-3 में कुछ बदलाव किए गए हैं ताकि वह आसानी से चांद की सतह पर उतर सके।

आंध्र में सड़क हादसे में छह लोगों की मौत, दो घायल

तिरुपति। आंध्रप्रदेश में तिरुपति जिले के श्रीकालाहस्ती के मिट्टा काड़िगा में रविवार को एक कार और ट्रक के बीच टक्कर हो जाने से छह लोगों की मौत पर ही मौतें हो गयीं एवं दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना तब हुई जब कार में सवार लोग तिरुपति से श्रीकालाहस्ती का राह थे। सभी लोग विजयावाड़ा के रहने वाले थे। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

मुक्त व्यापार वार्ता के लिए आज ब्रिटेन जाएंगे पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल मुक्त व्यापार वार्ता के लिए सोमवार को तीन दिन की यात्रा पर ब्रिटेन जायेंगे। मंत्रालय के अनुसार श्री गोयल की यात्रा ने केवल भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर जारी बातचीत पर केन्द्रित होगी, बल्कि व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते की प्रगति पर चर्चा के लिए यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के सदस्य देशों के मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे। श्री गोयल की यात्रा ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हो रही है जब भारत और ब्रिटेन दोनों आर्थिक संबंधों का विस्तार करने और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने की संभावनाओं का पता लगाने की दिशा में काम कर रहे हैं। मुक्त व्यापार वार्ता में तेजी के साथ, इस दौरे का उद्देश्य चर्चाओं को आगे बढ़ाना और व्यापक तथा पारस्परिक रूप से लाभप्रद समझौते का मार्ग प्रशस्त करना है जो आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा और दोनों देशों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करेगा। यात्रा के दौरान श्री गोयल ब्रिटेन के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के साथ उच्च स्तरीय बैठकों में भाग लेंगे।

बिहार विधान मंडल : मानसून सत्र का आगाज आज से, तैयारी पूरी

प्रातः किरण

पटना। बिहार विधान मंडल का मानसून सत्र आज यानी सोमवार से शुरू होने जा रहा है। सत्र को लेकर सत्ताधारी गठबंधन और सरकार पूरी तरह तैयार है। सत्र काफ़ी हंगामेदार होने के आसार हैं। सत्र के पहले दिन बिहार विधान सभा में विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी व विधान परिषद में सभापति देवेश चंद्र ठाकुर का प्रारंभिक संबोधन होगा। दोनों सदनों में वर्तमान सत्र के लिए अध्यासीन सदस्यों की घोषणा होगी। अध्यादेशों को सदन के पटल पर रखा जाएगा। वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम अनुसूची व्यवस्था की एक प्रति सदन के पटल पर रखा जाएगा। दोनों सदनों में शोक प्रकाश पढ़ा जाएगा। मानसून सत्र को सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था की गई है। संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी ने कहा है कि मानसून सत्र को लेकर सत्ताधारी गठबंधन और सरकार दोनों पूरी तरह तैयार हैं। सोमवार को अधिकांश राजनीतिक दलों की बैठक होगी है। बैठक में सत्र को लेकर रणनीति बनेगी। सोमवार को भाजपा विधायक दल की बैठक प्रदेश कार्यालय में दिन के 12:30 बजे तय हुई है। महागठबंधन विधानमंडल दल की बैठक भी दोपहर के सेंट्रल हॉल में नीतीश कुमार की अध्यक्षता में होगी। वहीं, शाम को संसदीय कार्य मंत्री मंत्री विजय कुमार चौधरी के आवास पर जदयू विधान मंडल की बैठक रखी गई है। श्री चौधरी ने कहा है कि सरकार जनहित के मुद्दे पर पुछे गए विपक्ष के हर सवाल का जवाब सदन में देगी। इधर, भाजपा विधानमंडल दल की बैठक में पार्टी के सभी विधायक व विधान परिषदों को बुलाया गया है। बैठक में मानसून सत्र के दौरान पार्टी की ओर से अपनाई जा रही रणनीति पर चर्चा होगी। भाजपा विधानमंडल के नेता विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बैठक में सत्र के दौरान सरकार को जनहित मुद्दों पर घेरने की रणनीति बनाई जाएगी। कांग्रेस विधानमंडल दल की बैठक सोमवार को होगी। विधानसभा में विधायक दल के नेता शशील अहमद खान के आवास पर यह बैठक होगी।

गंगा, गंडक सहित कई नदियां उफान पर, कटाव का खतरा

पांच जिलों में अर्रंज और पांच अन्य जिलों में येलो अलर्ट जारी



प्रातः किरण

पटना/एजेंसी। बिहार में लगातार हो रही बारिश से गंगा, गंडक, कोसी और बागमती समेत कई नदियां उफान पर हैं। नदियों के आसपास के इलाकों में कटाव का खतरा बना हुआ है। लोग अब सुरक्षित जगहों पर पलायन कर रहे हैं। मौसम विभाग ने बिहार के पांच जिलों में अर्रंज और पांच अन्य जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। बिहार और नेपाल में हो रही लगातार बारिश के बाद नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही कटाव भी तेज होने से नदी किनारे बसी आबादी पर खतरा बढ़ गया है। गंगा, गंडक, कोसी, बागमती समेत सारी नदियों की कर्मोबेश ऐसी ही स्थिति है। बेतिया के योगापट्टी और गोपालगंज के छह प्रखंडों में गंडक नदी का कटाव तेज होने से लोगों में दहशत है। योगापट्टी के सिसवा दलित बस्ती, मंगलपुर रखई और परती टोला गांव पर गंडक नदी के कटाव का खतरा मंडराने लगा है।

चिराग से मिले नित्यानंद राय, सियासी हलचल तेज

बोलें-विपक्षी दल सिर्फ भ्रष्टाचार के लिए एकजुट है



प्रातः किरण

पटना। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष व जमुई सांसद चिराग पासवान से रविवार को उनके पटना स्थित एसकेपुरी आवास पर मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद बिहार में राजनीतिक हलचल तेज हो गयी है। मुलाकात के बाद चिराग पासवान के एनडीए में शामिल होने व मोदी कैबिनेट में शामिल होने की चर्चा तेज हो गयी है। हालांकि नित्यानंद राय ने इस मुलाकात को लेकर कहा कि चिराग पासवान का घर हमारा पुराना घर है। यहां हमारा पुराना संबंध है और सदा रहेगा। जब हमारी मुलाकात होती है तो अच्छी बात होती है आज भी हुई है। नित्यानंद राय ने कहा कि भाजपा और रामविलास ने देश को अपनी सेवा से खुश रखने का काम किया है। चिराग से हमारी बात कभी बिगड़ी ही नहीं थी कि बनने को लेकर बात उठ रही है। श्री राय ने कहा कि दरअसल महागठबंधन प्रधानमंत्री के कार्य से घबरा चुकी है। महागठबंधन में घबराहट के कारण आपसी टकराव हो रहा है। विपक्षी नेता एकजुट होने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन, देश की जनता प्रधानमंत्री के लिए पहले ही एकजुट हो चुकी है। विपक्षी दल सिर्फ भ्रष्टाचार के लिए एकजुट है जनता के लिए कोई एकजुटता नहीं है। बता दें कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की बैठक में चिराग पासवान को किसी भी गठबंधन में पार्टी के शामिल होने को लेकर निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया। जब चिराग से राजग में शामिल होने की संभावना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मेरे लिए उनसे पहले कोई घोषणा करना गठबंधन को मजबूत करेगा। भाजपा के प्रति चिराग का लगाव तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उनके द्वारा की गयी प्रशंसा जगजिहिर है लेकिन माना जा रहा है कि

सड़क हादसे में एएसआई की मौत और चार जवान घायल, छापेमारी के लिए निकली थी पुलिस टीम

प्रातः किरण

सिवान। सिवान में छापेमारी करने जा रही पुलिस की गाड़ी टुक से जा भिड़ी। इस हादसे में एएसआई भुनेश्वर सिंह की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि चालक समेत 4 पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद सभी को उपचार के लिए सिवान सदर अस्पताल लाया गया। जहां डाक्टर ने घायलों को बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया। हुसैनगंज थाने की पुलिस टीम एएसआई भुनेश्वर सिंह के नेतृत्व में छापेमारी के मैरवा जा रही थी। गाड़ी चालक शंभू दयाल प्रसाद चला रहे थे। वहीं आगे की सीट पर एएसआई भुनेश्वर सिंह बैठे थे। जबकि पिछले की सीट पर होमगार्ड जवान रामानन्द साह, रामपुकार सिंह और सुभाष प्रसाद थे। तीतरा से आगे बढ़ने पर पुलिस की गाड़ी रोड पर खड़े ट्रक से जा भिड़ी। टक्कर इतना भीषण था कि पुलिस की गाड़ी के परखन्चे उड़ गए। इसमें एएसआई की भुनेश्वर की मौत पर ही मौत हो गई। जबकि चालक शंभू प्रसाद समेत सभी पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। एएसआई भुनेश्वर की मौत की खबर से पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ पड़ी। उनके शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद सुबह पुलिस लाइन लाया गया। जहां एसपी शैलेश कुमार सिन्हा समेत पुलिस पदाधिकारियों ने उन्हें आखिरी विदाई दी। इस

श्रीलंका जलसीमा में मछली पकड़ने के आरोप में 15 भारतीय मछुआरे गिरफ्तार

प्रातः किरण

श्रीलंका/ एजेंसी। श्रीलंका की जलसीमा में प्रवेश कर कथित रूप से मछली पकड़ने के आरोप में श्रीलंकाई नौसेना ने मछली पकड़ने वाले दो जहाजों पर सवार 15 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक बयान में रविवार को इसकी जानकारी दी गई। श्रीलंका की नौसेना ने एक बयान में कहा, ह्वानौसेना और तट रक्षक बल ने आठ जुलाई को रात को श्रीलंका में अवैध रूप से मछली पकड़ने में लगे भारतीय जहाजों को खदेड़ने के लिए एक विशेष अभियान चलाया। बयान में कहा गया है कि जफतकों में डेल्फ्ट और चलाया गए अभियान में 15 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें कहा गया है कि मछुआरों को गिरफ्तार कर उनके

इंदौर में होगा रोजगार पर जी20 का मंथन, मंत्री ने तैयारियों की समीक्षा की

इंदौर/ एजेंसी। केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव ने जी20 समूह की इंदौर में 19 जुलाई से शुरू होने वाली तीन दिवसीय बैठक की तैयारियों की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि भारत की अध्यक्षता वाली जी20 के इस जमावड़े के शुरुआती दो दिनों में रोजगार कार्य समूह की चौथी बैठक होगी, जबकि तीसरे दिन इस समूह के देशों के श्रम और रोजगार मंत्रियों की बैठक होगी। अधिकारियों के मुताबिक यादव ने इस बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि भारत के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में जी20 के जमावड़े के दौरान मेहमानों के सामने मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और वन्य विरासत को छटा पेश की जाए। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय श्रम और रोजगार मंत्री बैठक के बाद शहर की मशहूर चाट-चौपाटी 56 दुकान और एक होटल भी पहुंचे और जी20 के प्रतिनिधियों के लिए किए जा रहे इंतजामों का जायजा लिया।

यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक 90,000 से अधिक श्रद्धालु गुफा मंदिर में बाबा के कर चुके हैं दर्शन

मौसम में सुधार के बाद अमरनाथ यात्रा फिर शुरू, शाह ने बारिश संबंधी स्थिति की ली जानकारी

प्रातः किरण

जम्मू/एजेंसी। कश्मीर में मौसम में सुधार के बाद तीसरे दिन बालटाल और पहलगाम मार्ग से अमरनाथ यात्रा रविवार दोपहर बाद एक बार फिर से शुरू कर दी गई। प्रशासन ने जम्मू संभाग के बेस कैम्पों से अभी भी श्रद्धालुओं को आगे जाने की अनुमति नहीं दी है। रविवार दोपहर बाद जिससे ही अमरनाथ गुफा मंदिर के आसपास आसमान साफ हुआ, अधिकारियों ने द्वार खोल दिए और रास्ते में फंसे भक्तों को बाबा बफानी के दर्शन के लिए आगे जाने की अनुमति दे दी गई। पंचतरणी आधार शिविर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिन भक्तों ने पहले ही दर्शन कर लिए हैं, उन्हें बालटाल आधार शिविर में लौटने का



से निलंबित रही। उन्होंने कहा कि रविवार को अपराह्न छह बजे तक 234 महिलाओं सहित 634 तीर्थयात्रियों को बालटाल से हेलीकॉप्टर के जरिए 117 उड़ानों में

पैदल यात्रा सोमवार सुबह फिर से शुरू की और भारी बारिश के कारण स्थिति की गई अमरनाथ यात्रा की स्थिति पर चर्चा की। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि दिल्ली में रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि में 153 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई, जो 1982 के बाद से जुलाई में एक दिन में लगातार बारिश के महेनजर केंद्र शासित प्रदेशों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। शाह ने भारी बारिश के कारण स्थिति हुई अमरनाथ यात्रा के बारे में भी जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से बातचीत की। गुह मंत्री ने राजधानी में लगातार बारिश के महेनजर दिल्ली के उपराज्यपाल की वरिष्ठ अधिकारी से बात की और हालात की जानकारी ली। एक सूत्र ने कहा, गुह मंत्री

ने जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल से भी बात की और भारी बारिश के कारण स्थिति की गई अमरनाथ यात्रा की स्थिति पर चर्चा की। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि दिल्ली में रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि में 153 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई, जो 1982 के बाद से जुलाई में एक दिन में लगातार बारिश के महेनजर केंद्र शासित प्रदेशों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। शाह ने भारी बारिश के कारण स्थिति हुई अमरनाथ यात्रा के बारे में भी जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से बातचीत की। गुह मंत्री ने राजधानी में लगातार बारिश के महेनजर दिल्ली के उपराज्यपाल की वरिष्ठ अधिकारी से बात की और हालात की जानकारी ली। एक सूत्र ने कहा, गुह मंत्री

विचारमंथन

विपक्षी गठबंधन की चुनौतियां

भाजपा को हराने के लिए एक साथ चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही पार्टियां अब 17 और 18 जुलाई को बेंगलुरु में मिलेंगी। इसके दो दिन के बाद संसद का मॉनसून सत्र शुरू होगा। सो, एक तरह से विपक्षी पार्टियों की बैठक संसद की रणनीति बनाने का आभास दे रही है। पहले यह बैठक 12 जुलाई को शिमला में होनी थी। शिमला से बैठक क्यों टली, इस बारे में कुछ नहीं कहा गया है, जबकि पटना में हुई पहली बैठक से पहले कांग्रेस चाहती थी कि पहली बैठक शिमला में हो। पहली बैठक तो नहीं हुई, दूसरी बैठक भी शिमला की बजाय बेंगलुरु में होगी। हो सकता है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अपनी अध्यक्षता में होने वाली पहली बैठक अपने गृह प्रदेश में चाहते हों, इसलिए बेंगलुरु का चुनाव किया गया हो। यह भी संभव है कि शिमला की चार सीट की बजाय कर्नाटक में 28 लोकसभा की सीटें हैं इसलिए उस ज्यदा तरजीह दी जाए।

बहरहाल, यह ज्यदा बड़ा मुद्दा नहीं है कि कब और कहाँ विपक्षी पार्टियों की बैठक होती है। असली सवाल यह है कि बैठक का मुद्दा क्या है? किस एजेंडे पर विपक्षी पार्टियां मिल रही हैं? या विपक्षी पार्टियों के नेताओं का कोई ऐसा औपचारिक समूह बना है, जो मुख्य बैठक से पहले आपस में गठबंधन के मुद्दों पर चर्चा करता हो? अमतौर पर किसी भी बड़े कार्यक्रम या बड़े अभियान से पहले ऐसे कई छोटे छोटे समूह बनते हैं, जहां बारीकियों पर चर्चा होती है। पहली बैठक तक तो ठीक था लेकिन दूसरी बैठक भी बिना किसी एजेंडे के नहीं हो सकती है। यह नहीं हो सकता है कि पार्टियों के नेता बैठें, एक-दूसरे का हाल-चाल जानें, शादी गैरहक की बात करें और अगली बार फिर मिलने का वादा करके उठ जाएं। दूसरी बैठक में कुछ ठोस मामले तय होने चाहिए और बैठक के बाद आम लोगों को यह संदेश जाना चाहिए कि विपक्षी पार्टियां पटना से आगे बढ़ी हैं। ध्यान रहे पटना में हुई बैठक से पहले भी विपक्षी पार्टियों के सामने कम चुनौतियां नहीं थीं। लेकिन उस बैठक से जो सकारात्मक संदेश बना उसके बाद चुनौतियां बढ़ गई हैं। ये चुनौतियां कई तरह की हैं। 123 जून की बैठक से लेकर जुलाई के पहले हफ्ते तक के घटनाक्रम पर नजर डालें तो चुनौतियों की तस्वीर साफ होती है। इस दौरान महाराष्ट्र में एनसीपी सुप्रियो और मराठा क्षत्रप शरद पवार की पार्टी टूट गई। उनके भतीजे अजित पवार एनसीपी के कुछ विधायकों को साथ लेकर भाजपा के साथ चले गए और उप मुख्यमंत्री बन गए। संभावित विपक्षी गठबंधन के एक बड़े हल का इस तरह से टूटना समूचे विपक्ष को प्रभावित करेगा। दूसरी घटना यह हुई कि केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने राजद नेता और बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को रणनीति के बदले रेलवे में नौकरी दिलाने के कथित घोटाले में आरोपी बना दिया। अपना दूसरी चार्जशीट में केन्द्रिय एजेंसी से वॉटर आरोपी तेजस्वी का नाम शामिल किया। तीसरी घटना यह हुई कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी में जम कर जुबानी जंग हुई। चौथी घटना यह हुई कि राहुल गांधी ने तेलंगाना के खम्माम में रेली की और मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस उनके साथ कभी तालमेल नहीं करेगी। पांचवीं घटना यह हुई कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हैदराबाद जाकर चंद्रशेखर राव से मुलाक़ात की। छठी घटना यह है कि अर्थादेश के मसले पर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच लड़ाई तेज हो गई है और सातवीं व सबसे अहम घटना यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समान नागरिक संहिता की खुल कर वकालत की है। सोचें, 10 दिन के अंदर ये सारी घटनाएं हुई हैं। इनसे जाहिर होता है कि विपक्षी पार्टियों के सामने कितनी तरह की चुनौतियां हैं। एक तरफ उन्हें भाजपा के ऑपरेशन लोटस से बचना है तो दूसरी ओर केंद्रीय एजेंसियों की जांच का सामना करना है। इसके बाद आपस में तालमेल बनाना है और भाजपा की ओर से तय किए जा रहे एजेंडे का मुकाबला करने के लिए अपना एजेंडा तय करना है। महाराष्ट्र के घटनाक्रम के बाद बिहार और झारखंड में चिंता है। दोनों राज्यों में विपक्ष की पार्टियां निशाने पर हैं। कर्नाटक में जेडीएस के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा है कि उनके राज्य में भी महाराष्ट्र जैसा घटनाक्रम होगा। उन्होंने कहा कि यह देखना दिलचस्प होगा कि कर्नाटक का अजित पवार कौन होता है। इस समय विपक्षी पार्टियों के सामने नंबर एक चुनौती यही है। कैसे अपनी पार्टी को टूटने से बचाएं और एकजुट रह कर मजबूती का अहसास कराएं।

विपक्ष को इसकी रणनीति बनानी चाहिए और जहां भी एक दूसरे को दबद करनी चाहिए। विपक्ष की सारी पार्टियों को साथ लाने की चुनौती का जहां तक सवाल है तो ऐसा लग रहा है कि तुणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, भारत राष्ट्र समिति और आम आदमी पार्टी के साथ कांग्रेस और अन्य पार्टियों का तालमेल मुश्किल होगा। इसे तीसरे मोर्चे की संभावना के दौर पर देखें तो यह एक बड़ी चुनौती होगी। हालांकि विपक्ष के लिए अच्छी बात यह होगी कि आम आदमी पार्टी को छोड़ कर बाकी पार्टियां सिर्फ अपने असर वाले राज्यों में ही लड़ेंगी। विपक्ष के मुख्य मोर्चे से इनका आमना-सामना नहीं होगा। इसलिए इन पर माथापच्चों करने से पहले उन पार्टियों के बीच तालमेल होना चाहिए, जिनके बीच पहले से गठबंधन है। जो आपस में मिल कर लड़ने में सहज हैं और जिनके बीच सीटों के बंटवारे में ज्यदा टिक्कत नहीं आनी है। जो पार्टियां पिछले चुनावों में साथ मिल कर लड़ी है उनको अपना गठबंधन बना लेना चाहिए क्योंकि उनको सीट बंटवारे का कोई नया फॉर्मूला तय नहीं करना है। उनके बाद दूसरी पार्टियों से बात करनी चाहिए। उनसे अगर बात हो भी जाती है तो सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर टिकत आएंगी। यह सवाल उठेगा कि पिछले लोकसभा चुनाव के वोट प्रतिशत के आधार पर सीट बंटवारा हो या राज्यों के विधानसभा चुनावों के वोट प्रतिशत के आधार पर तालमेल हो?

टमाटर व हमारी जिंदगी

इन दिनों मालिख में छाप हुए हैं लाल टमाटर! लाल टमाटर दिन प्रतिदिन लाल हुआ जा रहा है। कसम से जब सज्जी खरीदने रहेड़ी पर खड़ा होता हूँ तो लाल टमाटर मुझे पूर रहे होते हैं, जैसे पुछ रहे हों, अबे इतनी ओकात है तेरी कि मुझे छू भी सके? गलती से भी छू न लेना बहुत तेज भाव हैं मेरे! और मैं सिर्फ देखता रह जाता हूँ जैसे कोई गरीब आशिक अपनी अमीर माशुका को देखे छह कर बस आहें भरता रह जाता है! और माशुका मुस्कराती बाय-बाय करती चली जाती है। ऐसे ही लाल टमाटर मेरे साथ कर रहे हैं। बाय-बाय कर रहेड़ी वाला यह कहकर चला जाता है, बस, बाबू जी! आपने खरीदती तो कुछ है नहीं, मेरा टाइम क्यों खराब कर रहे हो ऊपर से! मैं खाली हाथ घर लौट आता हूँ। पता नहीं कब वह दिन आएगा जिस दिन यह लाल टमाटर मेरे घर प्रवेश करेगा? सच, उस दिन मैं इसके स्वागत में आरती ताराङ्गा और धी के दीप जलाऊंगा। सबसे पहले वंदनवार सजाऊंगा लाल टमाटर के स्वागत के लिए!

वैसे रहेड़ी पर लाल टमाटर की वह आवभगत देखकर बेचारा प्याज बुरी तरह अपमानित महसूस करता है और कहता है कि यह है लाल टमाटर दो चार साल पहले तुझे कोई नहीं पुछता था। याद है मेरी कीमत भी कीमती से कीमती होती चली गयी थी और लोग ऐसे खरीदते थे जैसे सोना खरीद रहे हों! रहेड़ी वाला भी मुझे ऐसे ही तोलता था जैसे सुनार सोना छोटी सी तुला में रखकर दे रहा हो! प्याज टमाटर को धमकाते कहता है कि अरे! इतना भी न इतरा! सब पर ये दिन आते हैं! जैसे सभी युवा होते हैं और अच्छे लगते हैं! इसी तरह तू भी समझ ले जवानी के दिन चार! जैसे महाकवि निराला ने भी कहा था, अबे सुन बे गुलाब! इतना मत इतरा! बस इतराना छोड़कर अपने अंजाम की सोच! ये दिन भी फेंकेगे जब गला सड़ा कहकर यह रहेड़ी वाला ही तुझे बीच सडक फेंक कर चलता बनेगा कि यदि यह लाल टमाटर मेरी रहेड़ी पर रहा तो दूसरी चीजें भी कोई नहीं खदेरेगा। वैसे कभी प्याज की बढ़ती कीमतों को लेकर ही एक पूर्व महिला प्रधानमंत्री ने चुनाव का मुद्दा बनाया था और वे चुनाव जीत गयी थीं।

आज कोई भी राजनीतिक दल न लाल टमाटर और न ही प्याज को मुद्दा बना रहा है। जब परिवर्तन आदमी के मुद्दे ही नहीं उठाओगे तो चुनाव कैसे जीतेगे? बस। सच सच पचापच इसकी लाली देख डेडकर आहें भर रहे हैं। कभी चीनी भी ब्लैक होसक लगी थी। यह हमारे देश में छोटी छोटी चीजें एकदम कैसे आमजन छूने लगती हैं, यह रहस्य आम आदमी समझ नहीं पाता। चीनी की बढ़ती कीमतों के लिये कभी महाराष्ट्र के एक बड़े नेता को भी लोगों ने जी भर कर कोसा था। वे चीनी मिलों के बल पर ही राजनीति करते आये और कृषि मंत्री रहते भी कहते थे कि चीनी के भाव कैसे काम करूं। ये आश्चर्य और रसोई की श्रृंगार वस्तुएं कैसे एकएक रसोई से गायब होने लगती हैं? कभी प्याज तो कभी टमाटर तो कभी चीनी और अमिताभ बच्चन फिल्म लेकर आ जाते हैं- चीनी कम! कोई फिल्म निमातं ऐसी फिल्म बनायेगा -टमाटर कम! हां! धर्मोदर का मुक्के से प्याज तोड़े का स्टाइल जरूर प्रभाहू्र हुआ है और लोगों ने ऐसे ही प्याज मुक्के मार कर खाने शुरू कर दिए थे।

राजनैतिक दलों का कुंबा बड़ाओ अभियान

विपक्षी दलों का जहां यह प्रयास है कि इस बार किसी भी तरह आपसी मतभेदों को गुलाफर भारतीय जनता पार्टी के विरुद्ध एक राष्ट्रव्यापी गठबंधन तैयार किया जाये वहीं सत्तारूढ़ भाजपा भी न सिर्फ संगठनात्मक स्तर पर स्वयं को मजबूत करने में जुटी है बल्कि कई क्षेत्रीय दलों से गठबंधन की योजना पर भी काम कर रही है। खासतौर पर आंध्र प्रदेश व तेलंगाना में चंद्र बाबू नायडू की उसी तेलगुदेशम को पुनः राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल करने की फिंरक में है जो आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा न दिला पाने तथा तीन तलाक के मुद्दे पर विपक्ष के साथ जाने के चलते 2018 में एन डी ए से अलग हो गयी थी। इसी तरह भाजपा पंजाब में अकाली दल बादल को साथ जोड़ने की योजना बना रही है जो दो वर्ष पूर्व तीन विवादित कृषि कानून के विरोध में एन डी ए से अलग हुई थी। परन्तु अब वह तीनो विवादित कानूनों की वापसी भी हो चुकी है और पिछले पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस-भाजपा-अकाली दल सभी को बुरी तरह पराजित कर ऐसे राजनैतिक हालात पैदा कर दिए हैं



लगभग दस महीने बाद 2024 में होने वाले आम लोकसभा चुनावों की बिसात बिछने लगी है। विपक्षी दलों का जहां यह प्रयास है कि इस बार किसी भी तरह आपसी मतभेदों को गुलाफर भारतीय जनता पार्टी के विरुद्ध एक राष्ट्रव्यापी गठबंधन तैयार किया जाये वहीं सत्तारूढ़ भाजपा भी न सिर्फ संगठनात्मक स्तर पर स्वयं को मजबूत करने में जुटी है बल्कि कई क्षेत्रीय दलों से गठबंधन की योजना पर भी काम कर रही है। खासतौर पर आंध्र प्रदेश व तेलंगाना में चंद्र बाबू नायडू की उसी तेलगुदेशम को पुनः राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल करने की फिंरक में है जो आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा न दिला पाने तथा तीन तलाक के मुद्दे पर विपक्ष के साथ जाने के चलते 2018 में एन डी ए से अलग हो गयी थी। इसी तरह भाजपा पंजाब में अकाली दल बादल को साथ जोड़ने की योजना बना रही है जो दो वर्ष पूर्व तीन विवादित कृषि कानून के विरोध में एन डी ए से अलग हुई थी। परन्तु अब वह तीनों विवादित कानूनों की वापसी भी हो चुकी है और पिछले पंजाब विधानसभा चुनाव में



कुशवाहा तथा मुकेश सहनी जैसे बिहार के प्रभावशाली नेताओं के भी उनको पार्टियों के साथ एनडीए में शामिल होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इसी तरह कर्नाटक में भाजपा का प्रयास है कि किसी तरह जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) के साथ भी उसको बात बन जाये ताकि कर्नाटक की विधानसभा में हुई जबदस्त हार के बाद राज्य की लोकसभा की 28 सीटों पर जे डी एस के साथ चुनाव लड़कर कुछ सीटें जीती जा सकें। भाजपा की अपनी कुनबा विस्तार योजना दरअसल तब शुरू करनी पड़ी है जबकि उसे हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक जैसे राज्यों में सत्ता गंवांनी पड़ी। बंगाल में भी उसे मुंह की खानी पड़ी। यानी भाजपा का विश्वविजैता बनना का नशा दरअसल अब उतर चुका है और उसे यह एहसास हो चुका है कि उसके लिये क्षेत्रीय दलों की बेसाखी का सहारा लिये बिना 2024 में सत्ता वापसी की राह आसान नहीं है। भाजपा द्वारा धर्म-सम्प्रदाय व जातिवाद के तमाम हथकंडे अपनाने के बावजूद उसे कर्नाटक में मिली जबरदस्त हार भी उसे यह सोचने पर मजबूर कर रही है कि कहीं ऐसा

भाजपा ने आगामी विधानसभा व लोकसभा चुनावी समर क्षेत्र के लिए रणनीति बनाई

स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी के इन दिनों देश की सम्पूर्ण तुफानी दौरा व नए परिचयनाओं की शिलान्यास व नई घोषणा इस बात का सबसे बड़ा प्रमाण है। वहीं भाजपा ने पार्टी के संगठनात्मक संरचना में कई बदलाव कड़े संकेत दिए हैं। इसी काम में विगत दिनों दो केद्रीय मंत्रियों को दी बड़ी जिम्मेदारी सौपी है जो चार राज्यों के विधानसभा के चुनाव व आगामी लोकसभा 24 के आम चुनावों में जीत की रणनीति पर काम करेंगे। आप को बता दें कि भाजपा ने चार राज्यों में चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त किए हैं। भूपेंद्र यादव, केद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री को मध्यप्रदेश का चुनाव प्रभारी बनाया है। वहीं अश्विनी वैष्णव रेल मंत्री को सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी है। सर्व विदित रहे कि इसी वर्ष के अंत में मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने वाले है। आप को बता दे कि भूपेंद्र यादव चुनावी रणनीति में माहिर माने जाते हैं। वहीं अश्विनी वैष्णव आईटी एक्सपर्ट हैं। यह भारतीय प्रशासनिक सेवा से सेवा निवृत्त अ अधिकारी व पीएम मोदी के विश्वसनीय पात्र हैं।



भाजपा ने चार राज्यों के विधानसभा व आगामी वर्ष लोकसभा 2024 वरतमान के लिए संकटन व सरकार में गहन मैराथन मंथन शुरू कर दी है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के द्वारा आगामी विधानसभा व लोक सभा के चुनावी समर क्षेत्र में विजयश्री के लिए विशेष रणनीति बनाई है। स्वयं प्रधानमंत्री स्वयं दामोदर दास मोदी जी के इन दिनों देश की सम्पूर्ण तुफानी दौरा व नए परिचयनाओं की शिलान्यास व नई घोषणा इस बात का सबसे बड़ा प्रमाण है। वहीं भाजपा ने पार्टी के संगठनात्मक संरचना में कई बदलाव कड़े संकेत दिए हैं। इसी काम में विगत दिनों दो केद्रीय मंत्रियों को दी बड़ी जिम्मेदारी सौपी है जो चार राज्यों के विधानसभा के चुनाव व आगामी लोकसभा 24 के आम चुनावों में जीत की रणनीति पर काम करेंगे। आप को बता दें कि भाजपा ने चार राज्यों में चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त किए हैं। भूपेंद्र यादव, केद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री को मध्यप्रदेश का चुनाव प्रभारी बनाया है। वहीं अश्विनी वैष्णव रेल मंत्री को सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी है। सर्व विदित रहे कि इसी वर्ष के अंत में मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने वाले है। आप को बता दे कि भूपेंद्र यादव चुनावी रणनीति व कुशल नेतृत्व में 182 सीटों में से भाजपा को 156 सीटें जीतने में सफलता मिली थी। वहीं राजस्थान के जोधपुर में 18 जुलाई 1970 को जन्मे अश्विनी वैष्णव पूर्व आईएएस अधिकारी हैं। वह वर्तमान में 2021 से 39वें रेल मंत्री, 55वें संचार मंत्री और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री और राज्यसभा के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। 2019 से ओडिशा का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इससे पहले, 1994 में वैष्णव ओडिशा कैडर में भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल हुए। उन्होंने ओडिशा में काम किया है। उन्होंने बालासोर और कटक जिलों के कलेक्टर के रूप में कार्य करने समेत ओडिशा के विभिन्न हिस्सों में काम किया। सुपर साइबलोन 1999 के समय वह चक्रवात के वास्तविक समय और स्थान से संबंधित डेटा एकत्र करने में कामयाब रहे। उस डेटा को एकत्र करके ओडिशा सरकार ने लोगों के लिए सुरक्षा उपाय किए। उन्होंने 2003 तक ओडिशा में काम किया, जब उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यालय में उपसचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। केन्द्र ने जिन दोनों नेताओं को मप्र के विधानसभा चुनाव की कमान



सौपी है। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विश्वस्त रहे हैं। ऐसे में धरम में होने वाले राजनीतिक फैसलों और गतिविधियों पर पीएम मोदी की सीधी नजर रहेगी। यादव जहां म प्र की परिस्थियों को लेकर जमीनी जानकारी जुटाएंगे, तो वैष्णव आईटी सेक्टर के अनुभव के आधार पर चुनावी रणनीति बनाएंगे। वहीं दुसरी ओर केन्द्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की दबी जुबान से होने लगी है। भारतीय राजनीति पर पैनी निगाह रखने वाले का मानना है कि जल्द ही मोदी मंत्री मण्डल में फेर बदल व विस्तार हो सकती है। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री आवास में 29 जून को नरेंद्र मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा के बीच चले 4 घंटे की मेराथन मीटिंग के बाद से ही कैबिनेट विस्तार की अटकलें लगाई जा रही है। आप को याद होगा कि 2021 में आखिर बार मोदी कैबिनेट में फेरबदल हुआ था। उस वक्त 43 मंत्रियों ने शपथ ली थी। जिसमें रविशंकर प्रसाद, हर्षवर्धन और प्रकाश जावेडकर जैसे मंत्रियों को हटाय़ा गया था। वहीं दुसरी ओर अनुराग ठाकुर, किरेन रिज्जौजी और पुरुषोत्तम रूपाला का प्रमोशन हुआ था। इन विस्तार के पीछे तर्क दिये जाते हैं कि जिन राज्यों में चुनाव होने होते हैं, वहां के नेताओं

ताकत दिखाकर दुनिया को झुकाने का षडयंत्र

डा. रवीन्द्र अरजरीय
देश-दुनिया में अशान्ति का वातावरण निरंतर विस्तार लेता जा रहा है। फ्रांस के हालात बेहद खराब हो चले हैं। वहां की सरकार भी कट्टरपंथियों की जामत के आगे घुटने टेकने का मन बना चुकी है। ऐसे में घुटने टेकने के प्रधानमंत्री मारुस्ज मोरारियाफेकी ने फ्रांस पर व्यंग्य करते हुए कहा कि यूरोप में पोलैण्ड उन देशों में से एक है जहां एक भी मुस्लिम शरणार्थी नहीं है। पोलिश नेता डोमिनिक टार्जिस्की ने पहले ही घोषित कर दिया था कि पोलैण्ड ने जोरो मुस्लिम शरणार्थियों को देश में आने की जगह दी है। यही कारण है कि देश में शांति, खुशहाली और सौहार्थ का वातावरण मौजूद है। हम सुसंक्षिप्त हैं। हमारे यहां कोई दंग, आतंकी हमला या तनाव पैदा करने वाला कृत्य नहीं हुआ। उन्होंने आगे कहा कि यह सत्य है कि हमने 20

ताकत दिखाकर दुनिया को झुकाने का षडयंत्र तोहीदी ने विगत 09 सितम्बर 2022 को अपने वीडियो संदेश में खुलासा किया था कि इस्लामिक स्टोलेयूशरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) अधिकांश मुस्लिम देशों में अपनी गतिविधियों संचालित नहीं कर सका है। इस संगठन ने अमेरिका, यूके, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों को केन्द्र बनाकर अपनी गतिविधियों को मूर्त रूप दिया है। इमाम की इस स्वैकारोक्त और खुलासे के बाद से दुनिया में हडकंप मच गया था परन्तु तब तक देख हो चुकी थी। विश्लेषण में सामने आया है कि धरातल पर आतंकवाद को दो तरह से फैलाया जा रहा है। पहला मुस्लिम देशों में तथा दूसरा मुस्लिम देशों के बाहर। मुस्लिम देशों के बाहर लंदन, फ्रांस, अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया जैसे देशों में अनेक आतंकवादी संगठनों के न केवल बड़े अकाउण्ट है बल्कि उनकी अधिकांश गतिविधियों के संचालन का मुख्यालय भी है। मुस्लिम चरमपंथी संगठनों में से हेजबोल्ला, मुस्लिम ब्रदरहुड आदि का संचालन यूरोपीय देशों से ही हो रहा है। खतरनाक होते हालातों से कुछ दिन पहले ही फ्रांस के राष्ट्रपति ईमैनुएल मैको ने कहा था कि इस्लामिक देश संघट्ट में हैं। वास्तविकता तो यह है कि बोकों हाराम, अल क़ायदा और तालिबान जैसी समस्यायें अनेक राष्ट्रों ने स्वयं ही आमंत्रित की हैं। सस्ते मजदूरों के लालच में मुस्लिम देशों के लोगों को अच्छे तनख्वाव, सुविधाओं और सुखद भविष्य का सन्नवाग दिखाये जाते हैं। वहां के मजदूर आकर स्थानीय महिलाओं से शार्दियां रचाकर वहां के नागरिक बन जाते हैं। बस फिर शुरू होता है उनका कट्टरता का नंगा नाच। वे मुफ्त में सरकारों की योजनाओं का लाभ लेते हैं। वहां के कानूनों को तोड़ने के लिए वे कभी अभिव्यक्ति की आजादी

कनाडा ओपन सुपर-सेन फाइनल में पहुंचे



सिंधू सेमीफाइनल में यामागुची से हारीं

कालगैरी (एजेंसी)। राष्मंडल खेलों के चैम्पियन लक्ष्य सेन ने यहां जापान के केंटा निशिमोटो पर सोधे गेम में जीत दर्ज कर कनाडा ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। सेन ने जापान के 11वीं रैंकिंग के खिलाड़ी को 21-17 21-14 से हराकर अपने दूसरे सुपर 500 फाइनल में जगह बनाई। यह एक साल में उनका पहला बीडब्ल्यूएफ फाइनल भी होगा। सत्र के शुरु में सेन फॉर्म में नहीं थे जिससे रैंकिंग में 19वें नंबर पर खिसक गए। 2021 विश्व चैम्पियनशिप में इस 21 साल के खिलाड़ी ने कांस्य पदक जीता था। अब रविवार को फाइनल में उनका सामना चीन के लि शि फेंग से होगा जिनके खिलाफ उनका जीत का रिकॉर्ड 4-2 का है। सेन ने कहा, 'काफी खराब शुरुआत हुई, मैं शटल पर अच्छी तरह नियंत्रण नहीं बना पाया। जैसे ही मैं लय में आया तो बेहतर होता गया। 'परफेक्ट नेटप्ले' अहम रहा और हम दोनों ऐसा ही करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'आखिर में मैंने नेट पर नियंत्रण बना लिया और स्मैश भी अच्छे रहे। तकनीकी रूप से काफी अच्छा मैच खेला। मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूँ। वहीं दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकीं और महिला एकल के सेमीफाइनल में जापान की नंबर एक खिलाड़ी अकाने यामागुची से 14-21 15-21 से हार गईं। रैंकिंग में छठे स्थान पर रह चुके सेन ने पिछला फाइनल पिछले साल अगस्त में राष्मंडल खेलों में खेला था। वह यहां सेमीफाइनल के शुरु में 0-4 से पिछड़ रहे थे लेकिन जल्द ही उन्होंने 8-8 से बराबरी हासिल की।

प्रियांशु कम्पांड तिरंदाजी में विश्व अंडर-21 चैम्पियन बने

लिमेरिक (आयरलैंड) (एजेंसी)। भारतीय तिरंदाज प्रियांशु यहां चल रही विश्व तिरंदाजी युवा चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे जिससे देश के पदकों की संख्या 9 हो गई। प्रियांशु को एकतरफा पुरुष अंडर-21 व्यक्तिगत फाइनल में स्लोवेनिया के अलजाज बेंक को 147-141 से हराकर अंडर-21 विश्व चैम्पियन बने।



इससे पहले उभरती हुई तिरंदाज अदिति स्वामी अमेरिका की लिएन ड्रेक को हराकर अंडर-18 महिला विश्व चैम्पियन बनीं। पिछले महीने विश्व कप में अंडर-18 कम्पांड महिला कालीफाईंग रिकॉर्ड बनाने वाली अदिति ने इसी लय को जारी रखते हुए यहां चल रही युवा विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में लिएन को 142-136 से पराजित किया।

भारत-वेस्टइंडीज-रिंकू-रुतुराज को टी20 टीम में जगह ना मिलने पर बोले गांगुली

'किसी को तो चूकना ही होगा'



नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप के पिछले संस्करण में अच्छा प्रदर्शन करने में असफल रहने के बाद यह खबर आई थी कि चयनकर्ता युवा क्रिकेटर्स को अधिक मौके दे सकते हैं और विराट कोहली, रोहित शर्मा और यहां तक कि केएल राहुल जैसे खिलाड़ियों को योजना से बाहर रख सकते हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई श्रृंखला के लिए अपेक्षाकृत युवा टीम का चयन हुआ है। पूर्व बोर्ड अध्यक्ष सीरव गांगुली के अनुसार विराट और रोहित दोनों को योजना का हिस्सा होना चाहिए क्योंकि दोनों ने सबसे छोटे प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनने, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कौन हैं। मेरी राय में विराट कोहली और रोहित शर्मा दोनों के पास अभी भी टी20आई क्रिकेट में जगह है और मैं समझ नहीं पा रहा हूँ कि कोहली या रोहित टी20आई क्रिकेट क्यों नहीं खेल सकते। कोहली आईपीएल में शानदार फॉर्म में थे और अगर आप मुझसे पूछें तो दोनों की टी20 क्रिकेट में जगह है। इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार सीजन के बाद रिंकू सिंह, रुतुराज गायकवाड़ और जितेश शर्मा के पांच मैचों की श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की यात्रा करने की उम्मीद थी। हालांकि 15 सदस्यीय टीम में कोई भी जगह नहीं बना सके। गांगुली ने कहा, उन्हें बस खेलना जारी रखना है। उन्हें जो भी मौका मिले उसमें प्रदर्शन करते रहना होगा। ऐसा हमेशा होता है। टीम में केवल 15 को चुना जा सकता है और 11 खेल सकते हैं। तो, किसी को तो चूकना ही होगा। मुझे पूरा यकीन है कि उनका समय आएगा।

पाकिस्तान ने फिर खड़े किए हाथ, भारत आने के लिए बीसीसीआई के सामने रखी शर्त



कराची (एजेंसी)। भारत अक्टूबर में आईसीसी वनडे विश्व कप की मेजबानी करेगा, लेकिन इससे पहले एशिया कप होगा। वनडे विश्व कप के लिए पाकिस्तान की टीम का शेड्यूल भी जारी हो चुका है। यह तय है कि पाकिस्तान की टीम को भारत आना पड़ेगा, लेकिन उन्होंने एक बार फिर हाथ खड़े करते हुए बीसीसीआई के सामने एक शर्त रखी है। दरअसल, पाकिस्तान के खेल मंत्री एहसान मजारी ने भारत में होने वाले आगामी 2023 विश्व कप में मेन इन ग्रीन की भागीदारी के लिए कुछ मजबूत शर्तें रखी हैं। मजारी का मानना है कि यह दोनों तरीकों से काम करता है क्योंकि अगर बीसीसीआई एशिया कप के लिए अपनी टीम पाकिस्तान नहीं भेजता है तो वे 2023 विश्व कप के लिए अपनी मर्जी के अनुसार स्टैंडियमों की मांग कर सकते हैं।

पृथ्वी ने कहा पुजारा सर मेरी तरह बल्लेबाजी नहीं कर सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने करियर की शानदार शुरुआत के बाद पृथ्वी शॉ अब भारतीय टीम में निचले क्रम पर खिसक गए हैं, लेकिन मुंबई के इस युवा खिलाड़ी ने शनिवार को कहा कि वह रन बनाने और राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह वापस हासिल करने के लिए अपने स्वाभाविक 'आक्रामक' खेल पर भरोसा कर रहे हैं। शॉ आखिरी बार भारत के लिए जुलाई 2021 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ टी20ट्वेंटी मैच में दिखाई दिए थे। पृथ्वी शॉ ने कहा, व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि मुझे अपना खेल बदलने की जरूरत नहीं है, लेकिन मैं जितना हूँ उससे थोड़ा अधिक स्मार्ट हूँ। मैं पुजारा सर की तरह बल्लेबाजी नहीं कर सकता। बल्लेबाज या पुजारा सर मेरी तरह बल्लेबाजी नहीं कर सकते। अलूर में सेंट्रल जोन के खिलाफ वेस्ट जोन के दलीप टॉफी सेमीफाइनल के बाद शॉ ने कहा, तो, मैं जो करने की कोशिश कर रहा हूँ वह वे चीजें हैं जो मुझे यहां तक लेकर आई हैं, उदाहरण के लिए, आक्रामक बल्लेबाजी, मैं इसे बदलना



मेरे लिए जो भी खेल है वह उतना ही महत्वपूर्ण है। भले ही मैं दलीप टॉफी या अपना मुंबई मैच खेल रहा हूँ, मुझे लगता है कि मेरे लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना बहुत महत्वपूर्ण है। शॉ दलीप टॉफी सेमीफाइनल में बड़ी पारी खेलना पसंद करते, लेकिन वह अपनी 25 और 26 रन की पारी को प्रभावशाली पारियों में नहीं बदल सके। शॉ ने स्वीकार किया कि बल्लेबाजों के लिए परिस्थितियां थोड़ी कठिन थीं लेकिन उन्होंने रन बनाने की योजना बनाई। शॉ ने कहा, ऐसा नहीं है कि आप हमेशा परफेक्ट हो सकते हैं, लेकिन इस तरह की चीजें होने (रन नहीं बनने) के बाद मैं और अधिक मेहनत करने की कोशिश करता हूँ। टी20 थोड़ा अधिक स्लीपिंग है, लेकिन एक समान मानसिकता है।

एशियाई कप से पहले स्टिमक ने चार हफ्ते के शिविर की मांग की, कप्तान सुनील छेत्री ने किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय फुटबॉल कप्तान सुनील छेत्री ने रविवार को मुख्य कोच इगोर स्टिमक की अगले साल एशियाई कप से पहले कम से कम चार हफ्ते लंबे शिविर की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि टीम को महाद्वीप में सर्वश्रेष्ठ टीमों से भिड़ने की तैयारी के लिये काफी समय की जरूरत है। छेत्री (38 वर्ष) दोहा में (12 जनवरी से 10 फरवरी तक) अपना अंतिम एशियाई कप खेलेंगे और उन्होंने साथ ही इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट से पहले एशिया में शीर्ष सात रैंकिंग पर काबिज टीम जैसे ईरान, जापान या सऊदी अरब के खिलाफ कम से कम एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच कराने की भी वकालत की। छेत्री ने मीडिया से वरुंडाल बातचीत में कहा, 'हम एशियाई कप (रूप मैच) में आस्ट्रेलिया, उज्बेकिस्तान और सीरिया से भिड़ने जा रहे हैं, इसलिये स्टिमक (और गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू) ने लंबे शिविर लगाने की बात कही। हमें इसकी



जरूरत है और मुझे उम्मीद है कि हमें ये मिलेंगे। उन्होंने पिछले दो टूर्नामेंट में टीम की सफलता के लिए 50 से ज्यादा दिन के लंबे शिविर को श्रेय देते हुए कहा, 'जब आप राष्ट्रीय शिविर में जाते हो तो उसमें खिलाड़ियों को चोट भी होती है और वे अपने संबंधित क्लब से अलग मानसिक स्तर के साथ आते हैं। आपको इन सभी चीजों को देखना होता है और ये सब करने के लिए आपको और

अधिक समय की जरूरत होती है। भारत ने मणिपुर में 22 से 28 मार्च तक त्रिकोणीय अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट जीतने के बाद नौ से 18 जून तक भुवनेश्वर में इंटरकांटिनेंटल कप और 21 जून से चार जुलाई तक बेंगलुरु में सैफ चैम्पियनशिप जीती। खिलाड़ी मई के मध्य से सैफ चैम्पियनशिप तक राष्ट्रीय शिविर में रहे थे। स्टिमक ने कहा था कि उन्हें एशियाई कप में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए कम से कम चार हफ्ते का

शिविर चाहिए होगा जबकि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआइएफएफ) के शीर्ष अधिकारियों ने संकेत दिया था कि उनकी मांग पूरी करना मुश्किल होगा क्योंकि क्लब अपने खिलाड़ियों को घरेलू सत्र के बीच में इतने लंबे समय के लिए रिलीज करने के लिये शायद राजी नहीं होंगे। इस करिश्माई स्ट्राइकर ने कहा, 'पर अंत में हमें राष्ट्रीय शिविर के लिए कितने दिन मिलेंगे, यह हितधारकों के बीच बातचीत पर निर्भर करेगा लेकिन मुझे ज्यादा से ज्यादा दिन मिलने की उम्मीद है। सैफ चैम्पियनशिप में बतौर शीर्ष स्कोरर 'मेस्ट्र वैल्यूएबल प्लेयर चुने गये छेत्री ने यह भी कहा कि टीम को एशियाई कप से पहले महाद्वीप में शीर्ष छह या सात रैंकिंग पर काबिज एक देश से कम से कम एक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'अगर हमें एशियाई कप से पहले कम से कम दो या तीन महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच मिल

जाएँ जो एशिया में शीर्ष छह या सात रैंकिंग पर काबिज एक देश के खिलाफ हों तो इससे हमें खुद की तैयारी के बारे में ज्यादा अच्छी तरह पता चल जायेगा और इससे हम अच्छी तरह तैयार हो पाएंगे। छेत्री ने कहा, 'अगर मैं नाम दू तो ये देश ईरान, जापान या सऊदी अरब हो सकते हैं। अगर हम जापान, ईरान या दक्षिण कोरिया के खिलाफ नहीं खेलेंगे तो हमें आस्ट्रेलिया (एशियाई कप में भारत की मजबूत प्रतिद्वंद्वी) के स्तर का पता नहीं चल पाएगा। उन्होंने साथ ही कहा, 'शीर्ष टीमों के खिलाफ इतने बड़े मैचों की तैयारी के लिए हमें चार हफ्तों का शिविर चाहिए। अगर हमें राष्ट्रीय शिविर में पांच दिन मिलते हैं तो हम इन बड़े मुकामबलों के लिए तैयार नहीं होंगे। एशियाई कप में ऑस्ट्रेलिया का सामना करने के लिए हमें कम से कम आईएसएल (इंडियन सुपर लीग) से दो स्तर ऊपर होना चाहिए और इसकी तैयारी के लिए हमें लंबा समय चाहिए।

टी-20 हरमनप्रीत ने लगाया अर्धशतक भारत ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में बांग्लादेश को 7 विकेट से हरा दिया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 35 गेंदों में नाबाद 54 रनों की पारी खेल टीम को जीत दिलाने का काम किया। स्मृति मंधाना ने 38 रनों की पारी खेली। इससे पहले भारतीय स्पिनरों ने बांग्लादेश को पांच विकेट पर 114 रन ही बनाने दिये। अनुभवी दीपशिर्मा (चार ओवर में 14 रन) की अगुआई वाले स्पिन आक्रमण ने कप्तान हरमनप्रीत को की योजना को बहुत अच्छी तरह मैदान पर उतारा। स्पिन विभाग में अनुषा बरेंड्री (चार ओवर में 24 रन) और मीनू मणी (तीन ओवर में 21 रन देकर एक विकेट) ने उनका बखूबी साथ निभाया। बांग्लादेश की शीर्ष स्कोरर सोना अख्तर (28 गेंद में 28 रन) द्वारा लगाया गया एक छक्का छेड़ दे तो लेग स्पिनर शेफाली वर्मा (तीन ओवर में 18 रन देकर एक विकेट) ने भी अच्छी गेंदबाजी की। बांग्लादेश की बल्लेबाजों को भारतीय गेंदबाजों की रणनीति से काफी मुश्किल हुई। डेब्यू कर रही मणी ने अपना पहला विकेट शमीमा सुलताना (17 रन) के रूप में लिया जो स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में जेमिमा रोड्रिग्स को स्कायर लेग पर कैच दे बैठीं। पूजा वस्त्रकार ने फिर शांथी रानी (22 रन) को शार्ट गेंद से आउट किया।



भारतीय गोलकीपरों के लिए शिविर आयोजित करेंगे नीदरलैंड के गोलकीपिंग कोच वान डि पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीदरलैंड के गोलकीपिंग कोच डेनिस वान डि पोल चीन के हांगझोउ में सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपरों के लिए बेंगलुरु में दो विशेष शिविर लगायेंगे। भारतीय टीम के साथ वान डि पोल का पहला शिविर 13 से 19 जुलाई तक होगा जबकि वह सात से 14 सितंबर तक एक हफ्ते तक चलने वाले एक अन्य शिविर के लिए फिर भारत आयेंगे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम बेंगलुरु के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) में मुख्य कोच क्रैग फुल्टन की देखरेख में एक हफ्ते तक लगने वाले शिविर के दौरान विशेष सत्रों में हिस्सा लेंगे। पीआर श्रीजेश, कृष्ण पाठक, सूरज कारेकर, प्रशांत कुमार चौधन और पवन मलिक शिविर में हिस्सा लेंगे।



ट्रैविस हेड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पूरे किए 5,000 रन, यह है सबसे सफल प्रारूप

लीड्स (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई मध्यक्रम बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने शनिवार को 5,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर लिए हैं। हेड ने हेडिंस्ले में इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के तीसरे एंशेज टेस्ट के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। पहली पारी में हेड ने 74 गेंदों में 39 रन की पारी खेली और पिशेल मार्श के साथ 155 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया की पारी को संभाला। दूसरी पारी में हेड ने एक बार फिर मुश्किल में फंसी अपनी टीम की मदद की और 112 गेंदों में सात चौकों और तीन छकों की मदद से 77 रन की पारी खेली और अपनी टीम की दूसरी पारी में बढ़त 250 रन तक पहुंचा दी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 111 मैचों में हेड ने 42.20 की औसत से 5,065 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 76.55 का है। उन्होंने 132 पारियों में 9 शतक और 30



अर्धशतक भी बनाए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 रहा है। बाएं हाथ के बल्लेबाज का सबसे सफल प्रारूप टेस्ट है। उन्होंने 40 टेस्ट मैचों में 46.80 की औसत

2021 से टेस्ट क्रिकेट में ट्रैविस हेड

2021 में - 248 रन, 62 एवेन्यू, 86.7 स्ट्राइक रेट
2022 में - 655 रन, 55.4 एवे, 80.8 स्ट्राइक रेट
2023 में - 752 रन, 53.7 एवे, 78.01 स्ट्राइक रेट
उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 54 वनडे मैचों में भी हिस्सा लिया है। उन्होंने 51 पारियों में 40.68 की औसत और 96.81 की स्ट्राइक रेट से 1,912 रन बनाए हैं। हेड ने इस प्रारूप में तीन शतक और 14 अर्धशतक बनाए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 152 है। हेड ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 17 टी20 मैच भी खेले हैं जिसमें उन्होंने 26.53 की औसत से 345 रन बनाए हैं। इस फॉर्मेट में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 48 * है और उनका स्ट्राइक रेट 133.20 है। यह बल्लेबाज 2023 में शानदार फॉर्म में है। इस साल 11 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 52.56 की औसत से 841 रन बनाए हैं। उन्होंने 18 पारियों में एक शतक और छह अर्धशतक बनाए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 163 रहा है। और 64.08 की स्ट्राइक रेट से 2,808 रन बनाए हैं। उनके नाम 65 पारियों में छह शतक और 16 अर्धशतक हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में एक बार फिर चाकूबाजी, दो लोगों ने मिलकर युवक को गोदा; दर्दनाक मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में चाकूबाजी का एक नया केस सामने आया है। पुलिस ने बताया कि एक युवक को चाकू मारकर हत्या करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह उत्तरी दिल्ली के सराय रोहिंला इलाके की घटना है। आरोपियों को पहचान शास्त्री नगर निवासी अभिषेक उर्फ डॉसर (21) और सुनीत (18) के रूप में हुई है। डॉसर और सुनीत ने मिलकर एक युवक की हत्या कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, बुधवार की रात करीब 10 बजे कमल (23) नाम के एक युवक पर आरोपियों ने अटैक कर दिया। अभिषेक और सुनीत ने चाकू मारकर कमल की हत्या कर दी। हत्या करने के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। आनन-फानन में कमल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। वहां कमल ने दम तोड़ दिया। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) सागर सिंह कलसी ने बताया कि दोनों आरोपियों को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान लोगों को यह पता चला कि आरोपियों ने मामूली बात के लिए कमल की हत्या कर दी। आरोपियों ने बताया कि दो-तीन महीने पहले कमल ने अभिषेक को अपना नित किया था। अपना काम बदला लेने के लिए अभिषेक ने सुनीत के साथ मिलकर कमल की हत्या करने की प्लान बनाई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

गोवा में लड़कियों को वेश्यावृत्ति में धकेलने के आरोप में 2 गिरफ्तार

पणजी, एजेंसी। गोवा पुलिस ने शनिवार को तटीय राज्य में वेश्यावृत्ति के धंधे के खिलाफ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। कैलंगुट पुलिस ने बताया कि आरोपियों को पीड़ित लड़कियों को वेश्यावृत्ति के धंधे में धकेलने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनकी पहचान हैदराबाद के मोहम्मद शकील अहमद और मंजी सिंह के रूप में की है, जो पीड़ितों के साथ गोवा गए थे। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी अपनी पत्नी और पांच साल के बेटे के साथ पिछले डेढ़ साल से गोवा में रह रहा है। पुलिस ने कहा, उसने पंजाब से भुद्रु नाम के अपने दोस्त के जरिए लड़कियां खरीदी थीं। इससे पहले 6 जुलाई को पुलिस ने उत्तरी गोवा के वागाटोर से चार पीड़ित लड़कियों को बचाया था, जिन्हें वेश्यावृत्ति के धंधे में धकेल दिया गया था। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

नव नियुक्त भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सुनील जाखड़ की ताजपोशी 11 जुलाई को

चंडीगढ़, एजेंसी। भाजपा पंजाब के नव नियुक्त प्रदेशाध्यक्ष सुनील जाखड़ का ताजपोशी समारोह 11 जुलाई, 2023 को सुबह 11:00 बजे पंजाब भाजपा कार्यालय सेक्टर 37ए चंडीगढ़ में किया जाएगा। पंजाब भाजपा के प्रदेश मीडिया संयुक्त सचिव हरदेव सिंह उभना ने बताया कि इस प्रोग्राम में विजय रूपाणी, प्रभारी भाजपा पंजाब एवं पूर्व मुख्यमंत्री (गुजरात) नरेंद्र सिंह रैना, राष्ट्रीय सचिव एवं सह-प्रभारी भाजपा पंजाब सोम प्रकाश, राज्यमंत्री, भारत सरकार और पंजाब भाजपा का पूरा नेतृत्व उपस्थित रहेगा। उन्होंने बताया कि नव नियुक्त प्रदेशाध्यक्ष के ताजपोशी समाराम को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह और गर्मजोशी है और इस आयोजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

हिमाचल में बारिश का कहर, टियोग में मकान के मलबे में दबकर तीन मरे

शिमला, एजेंसी। जिले के टियोग विधानसभा क्षेत्र के मधवनी पंचायत के पनेवली गांव में एक परिवार के तीन लोगों की मकान में दबकर मौत हो गई। स्थानीय विधायक कुलदीप राठौर ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है। अपने शोक संदेश में उन्होंने कहा कि तीन लोगों की मृत्यु होने का दुःख समाचार प्राप्त हुआ। प्रभु दिवंगत आत्माओं को मोक्ष प्रदान करें व परिवारजनों को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि इन दिनों हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड समेत कई राज्यों में बारिश का कहर बरप रहा है। उत्तराखंड में तो अस्थायी तौर पर अमरनाथ यात्रा रोकनी पड़ी है। पर्यटकों को भी पहड़ी इलाकों में नहीं जाने की सलाह दी गई है। क्योंकि इन दिनों लैंड स्लाइडिंग का खतरा बना हुआ है।

बिहार में जहरीली शराब पीने से 2 लोगों की मौत

पटना, एजेंसी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में जहरीली शराब पीने से दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान घोराहा बैरिया गांव के सेना के पूर्व जवान गौरी शंकर राम और धवाही गांव के मूल निवासी उमेश पटेल के रूप में की गई है। मृतक के एक रिश्तेदार ने कहा, गौरी शंकर भरे चाचा थे। उन्होंने शुक्रवार की रात शराब पी। कुछ देर बाद उन्होंने पेट में दर्द और उल्टी की शिकायत की। हमने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी मौत हो गई। उमेश पटेल ने भी शुक्रवार को शराब पी थी और उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसने अंतिम सांस ली। मोतिहारी (पूर्वी चंपारण) के एसपी कानेश कुमार मिश्रा ने कहा, हमें दो लोगों की मौत होने की जानकारी मिली है। हमने मामले की जांच के लिए एएसपी श्रीराज के नेतृत्व में एक टीम गठित की है।

गाड़ी में रखे गैस सिलेंडर से लीक हुई गैस, हुआ जबरदस्त धमाका; बच्चों समेत 7 की मौत और 14 घायल

सरगोधा, एजेंसी। पाकिस्तान में पंजाब के सरगोधा जिले में शनिवार को एक गाड़ी में गैस सिलेंडर फट गया। इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। रेस्क्यू 1122 कंट्रोल रूम के हवाले से बताया गया कि सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 14 अन्य घायल हैं। घायलों में से सात को गंभीर चोटें आई हैं और उन्हें इलाज के लिए भलवाल तहसील मुख्यालय (टीएचक्यू) अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शवों को भी उसी अस्पताल में ले जाया गया, जिनमें से 5 की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, घायलों में 4 साल और 12 साल के दो बच्चे और 50 साल के दो आदमी भी शामिल हैं। रेस्क्यू 1122 ने कहा कि उन्हें सुबह 8:35 बजे (स्थानीय समयानुसार) घटना के बारे में कॉल अलर्ट आया। इसके तुरंत बाद मौके पर 9 एम्बुलेंस, 3 अग्निशमन वाहन और



एक बचाव वाहन को भेजा गया। रेस्क्यू टीम ने कहा कि एलपीजी गैस सिलेंडर से गैस रिसाव के कारण वाहन में आग लगने की उल्टे सूचना मिली। वहीं, पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने घटना पर शोक जताया है और घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने की बात कही है। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के

पुरी मंदिर का रत्न भंडार बना चुनावी मुद्दा, हो रही सियासत

भुवनेश्वर, एजेंसी।

पुरी जगन्नाथ मंदिर का खजाना रत्न भंडार लोगों के लिए रहस्य बना हुआ है। इसमें सदेह है कि क्या भगवान के बहुमूल्य आभूषण बरकरार हैं या समय के साथ गायब हो गए हैं। ओडिशा विधानसभा और लोकसभा चुनाव नजदीक आने के साथ, भाजपा ने रत्न भंडार को फिर से खोलने का मुद्दा सामने ला दिया है। विधानसभा में ओडिशा सरकार द्वारा दिए गए एक बयान के अनुसार, रत्न भंडार आखिरी बार 1985 में खोला गया था लेकिन कीमती सामानों की नवीनतम सूची 1978 में बनाई गई थी।

1985 तक दो हिस्सों में बंटे रत्न भंडार के अंदरूनी कक्ष को किसी ने नहीं देखा था। बाहरी कक्ष नियमित रूप से खोला जाता है और त्योहारों पर पूजारियों द्वारा आभूषण निकाले जाते हैं। उड़ीसा हाईकोर्ट के एक आदेश के अनुसार, 4 अप्रैल 2018 को रत्न भंडार के आंतरिक कक्ष को खोलने का प्रयास किया गया था। लेकिन मंदिर प्रशासन को चाबियां नहीं मिल पाने के कारण इसे नहीं खोला जा सका। रत्न भंडार के अंदर गए अधिकारियों, सेवकों और विशेषज्ञों को बाहरी कक्ष से वापस लौटना पड़ा। लेकिन रत्न भंडार को खोलने की



कोशिश के दो दिन बाद प्रबंध समिति की बैठक में मामला उठने तक प्रशासन ने चाबी गायब होने की बात सार्वजनिक नहीं की। दिलचस्प बात यह है कि कुछ दिनों के हंगामे के बाद अचानक पुरी जिला प्रशासन ने दावा किया कि रत्न भंडार की ड्यूलिकेट चाबी उपलब्ध है। ड्यूलिकेट कहां से आया और मूल चाबी कहां गयी? इससे देश भर में भगवान जगन्नाथ के भक्तों के बीच बहुत ध्रम पैदा हो गया।

बाद में, रत्न भंडार पर न्यायमूर्ति रघुबीर दास जांच आयोग का गठन किया गया और न्यायमूर्ति दास ने नवंबर, 2018 में राज्य सरकार को अंतिम रिपोर्ट सौंपी थी। आयोग की रिपोर्ट अभी तक विधानसभा में नहीं रखी गई है। इसी पृष्ठभूमि में लंबे

समय से रत्न भंडार को दोबारा खोलने की मांग की जा रही है। पिछले साल दिसंबर में अपने ओडिशा दौर के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस मुद्दे को उठाया था और बीजेपी सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की चाबियां गायब होने के बारे में पूछ था। भाजपा प्रमुख ने यह भी आरोप लगाया कि बीजद सरकार महाप्रभु जगन्नाथ के बहुमूल्य रत्नों और संपत्तियों की रक्षा करने में विफल रही है। अलग-अलग अवसरों पर, पार्टी ने रत्न भंडार को फिर से खोलने की मांग की है, जिसे कथित तौर पर कुछ मरम्मत की भी आवश्यकता है। केवल भाजपा ही नहीं, कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों, पुरी के राजा गजपति

दिव्यसिंघा देव और पुरी मंदिर के कई वरिष्ठ सेवकों ने भी ओडिशा सरकार से रत्न भंडार को फिर से खोलने और भगवान जगन्नाथ के कीमती सामानों की मरम्मत और सूची बनाने का आग्रह किया है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने भी मंदिर के खजाने को दोबारा खोलने की मांग की है। हालांकि, राज्य सरकार ने मांग पर कोई ध्यान नहीं दिया। हथ में कोई विकल्प न होने पर, भाजपा ने हाल ही में उड़ीसा उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। ओडिशा बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष समीर मोहंती की याचिका को स्वीकार करते हुए हाई कोर्ट ने 5 जुलाई को श्रीजगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार के उद्घाटन पर चार लोगों को नोटिस दिया था।

मोहंती ने आरोप लगाया, 45 साल बीत जाने के बावजूद सरकार ने रत्न भंडार को दोबारा नहीं खोला। जब पुरी के राजा और दुनिया भर के जगन्नाथ भक्त यह जानने का इंतजार कर रहे हैं कि रत्न भंडार में जगन्नाथ की कीमती वस्तुएं सुरक्षित हैं या नहीं, तो सरकार गहरी नींद में है। भाजपा नेता ने कहा कि उन्होंने उच्च न्यायालय का रुख किया है और अदालत ने इसे गंभीरता से लिया है। अगली सुनवाई 7 अगस्त को तय की गई है।

किरोड़ी को सदस्य बनाए जाने के सियासी मायने

जयपुर, एजेंसी।

राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी सांसद किरोड़ी लाल मीना और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। दोनों को राष्ट्रीय कार्यसमिति का सदस्य बनाया गया है। जेपी नड्डा ने विधानसभा चुनाव से पहले जिम्मेदारी देकर निर एसियाई संकेत दिए हैं। बता दें राजस्थान में 2023 के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि किरोड़ी लाल नाराज न हो, इसलिए राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य बनाया गया है। सियासी जानकार किरोड़ी लाल मीना को कार्यसमिति की सदस्य बनाए जाने के अलग-अलग मायने निकाल रहे हैं। सियासी जानकारों का कहना है कि मोदी कैबिनेट की फेरबदल चर्चाएं हैं किरोड़ी लाल की नियुक्ति से माना जा रहा है कि वह केंद्रीय मंत्री बनने की रस से बाहर हो गए हैं। इससे पहले राजस्थान बीजेपी की टीम में विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने वाले

नेताओं को जगह मिली थी। सियासी जानकारों का कहना है कि ऐसे में माना जा रहा है कि किरोड़ी की मोदी कैबिनेट में एंट्री बंद हो सकती है। चर्चा है कि राजस्थान से किरोड़ी लाल मीना, दिया कुमारी और रंजीता कोली मोदी कैबिनेट में शामिल हो सकती हैं। चुनाव से पहले बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश पूनिया को नई जिम्मेदारी देकर पार्टी आलाकमान ने उनकी नाराजगी दूर करने की कोशिश की है। दरअसल, प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने के बाद सतीश पूनिया अक्सर सीपी जोशी के कार्यक्रमों से दूर रहते हैं। राजधानी जयपुर में सीपी जोशी के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन हुए, लेकिन पूनिया दूर ही रहें। हालांकि, सतीश पूनिया से जुड़े समर्थकों का कहना है कि पहले से तय कार्यक्रम होने के कारण शामिल नहीं पाए। नाराजगी जैसी कोई बात नहीं है। सियासी जानकारों का कहना है कि बीजेपी सतीश पूनिया के जरिए जाटों का साधना चाहती है।

भारतीय समुदाय का खालिस्तानियों को करारा जवाब, प्रदर्शनकारियों के सामने शान से लहराया तिरंगा

टोरंटो, एजेंसी।

कनाडा के ओंटेरियो राज्य की राजधानी टोरंटो में खालिस्तान समर्थकों ने शनिवार (8 जुलाई) को भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर बड़ी संख्या में पहुंचकर प्रदर्शन किया है। इसके जवाब में भारतवशियों ने हाथों में तिरंगा लहराकर उन्हें मुहताड़ जवाब दिया है। आतंकी हर्दीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद खालिस्तानी समर्थकों की तरफ से 8 जुलाई को विदेशों में किल भरल रैली आयोजित की गई थी जो पूरी तरह से विफल हो गई है। लंदन में भी भारतीय उच्चायोग के बाहर 30-40 खालिस्तान समर्थकों के इकठ्ठा होने की खबरें आई थीं। यूके और ऑस्ट्रेलिया में भारतीय दूतावासों के बाहर भीड़ एकत्रित ही नहीं हो पाई। समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा पोस्ट किए वीडियो में दिख रहा है कि टोरंटो में खालिस्तान समर्थक हाथों में पीला



झंडा लिए हुए भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर नारे लगा रहे हैं और प्रदर्शन कर रहे हैं तो सड़क के दूसरी तरफ भारतीय समुदाय हाथों में तिरंगा लहराते हुए उनका विरोध कर रहे हैं और कड़ा संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं। उधर, खालिस्तान समर्थकों के विरोध प्रदर्शन की आशंका में, संयुक्त राज्य अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास के पास सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। हालांकि, वहां कोई बड़ी घटना सामने

नहीं आई। भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने भारतीय दूतावास का निरीक्षण किया और पाया कि तनाव के बीच सब कुछ शांत रहा।

इससे पहले 2 जुलाई को खालिस्तान समर्थकों ने सैन फ्रांसिस्को और कैलिफोर्निया में भारतीय वाणिज्य दूतावास को निशाना बनाया था। उस दौरान खालिस्तान समर्थकों की बर्बरता और आगजनी की कोशिश की खबरें सामने आई थीं, क्योंकि



में राज्य सरकार को जनता के लिए इंटरनेट सेवाओं तक सीमित पहुंच की सुविधा के लिए राज्य भर में आईएलएल के माध्यम से इंटरनेट प्रदान करने पर प्रतिबंध हटाने और फाइबर पर विचार करने का निर्देश दिया। घरेलू कनेक्शन (एफटीएच) मामले-दर-मामले के आधार पर, बशर्ते विशेषज्ञ समिति द्वारा रिकॉर्ड पर रखे गए सुरक्षा उपायों का अनुपालन किया जाता है। इंटरनेट पहुंच बहाल

करने के लिए विशेषज्ञ समिति द्वारा निर्धारित कुछ सुरक्षा उपायों में गति को 10 एम्बीपीएस तक सीमित करना, इच्छित उपयोगकर्ताओं से वजन लेना कि वे कुछ भी अवैध नहीं करेंगे, और उपयोगकर्ताओं को संबंधित प्राधिकारी/अधिकारियों द्वारा भौतिक निगरानी के अधीन करना शामिल है। उच्च न्यायालय के निर्देश मणिपुर में इंटरनेट सेवाओं की बहाली की मांग को लेकर पहले दायर की गई एक

आस्ट्रेलिया के बाद ब्रिटेन में भी खालिस्तान समर्थकों का विरोध प्रदर्शन फ्लाप



लंदन, एजेंसी। आस्ट्रेलिया के बाद ब्रिटेन की राजधानी लंदन में भी भारतीय उच्चायोग के बाहर शनिवार को खालिस्तान समर्थकों का विरोध प्रदर्शन फ्लाप साबित हुआ। कनाडा में हर्दीप सिंह निज्जर की हत्या के विरोध में किए गए इस प्रदर्शन में बहुत कम लोग शामिल हुए। रैली में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दुर्इस्वामी और बर्मिंघम में भारत के महावाणिज्य दूत डॉ. शशांक विक्रम

की तस्वीरों के साथ हिंसा के लिए उकसाने वाले विवादास्पद पोस्टरों का इस्तेमाल किया गया। विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे जिस कारण प्रदर्शन काफी जल्द खत्म हो गया।

इस सप्ताह की शुरुआत में खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा भारत विरोधी पोस्टर सोशल मीडिया पर सार्वजनिक किए जाने के बाद ब्रिटेन सरकार ने घोषणा की थी।

पीरियड्स चेक करने को उतरवाए महिलाओं के कपड़े, गलत डस्टबिन में पैड फेंकने से मैनेजर गुस्सा-एफआईआर

नैरोवी (केन्या), एजेंसी। केन्या में एक 'ब्राउन फूड कंपनी' में पीरियड्स चेक करने के लिए महिला कर्मचारियों के कपड़े उतरवा दिए गए। गलती बस इतनी थी कि किसी महिला कर्मचारी ने यूज किया हुआ सैनिटरी नैपकिन गलत कूड़ेदान में फेंक दिया था।

इससे गुस्साई मैनेजर ने सभी कर्मचारियों को बुलाकर पूछ कि वह काम किसने किया है। जवाब न मिलने पर उसने गलत डस्टबिन में सैनिटरी नैपकिन फेंकने वाली कर्मचारी का पता लगाने के लिए सबसे कपड़े उतारने को कहा। घटना ब्राउन फूड की एक चीज फेक्ट्री की है। पीरियड्स शेमिंग की घटना मानकर दुनिया भर में इसका विरोध किया जा रहा है। पीरियड्स शेमिंग में मेन्सट्रुअल साइकल या पीरियड से जुड़ी चीजों को लेकर महिला को कमतर दिखाना या उसके साथ गैरबराबरी का बर्ताव करना आता है। केन्या में एशियाई देशों की तरह पीरियड्स शेमिंग की घटनाएं देखने को मिलती हैं। सीनेटर ने फेसबुक वीडियो शेयर कर घटना के बारे में बताया 'पीरियड शेमिंग' के खिलाफ मुखर सीनेटर व्लोरिया ओवोबा ने इस घटना के बारे में फेसबुक पर एक वीडियो शेयर किया। सीनेटर ने

कहा कि उन्होंने इस मामले में हस्तक्षेप करने का प्रयास भी किया लेकिन कंपनी इस मुद्दे को नहीं सुलझा सकी।

आरोपों के बाद कार्रवाई करते हुए ब्राउन फूड कंपनी ने मामले की जांच होने तक आरोपी मैनेजर को निर्लंबित कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में कंपनी के तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। मामला बढ़ने पर ब्राउन फूड कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर एक बयान जारी कर इस घटना पर दुख जाहिर किया। कंपनी ने कहा कि हमारा काम करने का तरीका ऐसा नहीं है। हम इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए अपने स्टाफ को संवेदनशील और जागरूक कर रहे हैं। कंपनी ने भरोसा दिलाया है कि दोबारा ऐसा कुछ न हो इसके लिए वे अपनी टीम में महिला हेल्थ एक्सपर्ट को भी शामिल करेंगे। वहीं, पुलिस ने कहा है कि उन्होंने सभी पीड़िताओं से बातचीत की है। मामले की जांच जारी है और शुरुआती एक्शन के तहत प्रमुख आरोपियों को पकड़ लिया गया है। महिलाओं से इस तरह की बदसलूकी की यह पहली घटना नहीं है। देश-विदेश में कई दफा ऐसी घटनाएं हुईं, जहां महिलाओं को अलग-अलग वजहों से कपड़े उतारने के लिए मजबूर किया गया है।

